हिन्दुस्तान

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तनिष्ठा कोटिया और रिद्धिका कोटिया को जिला प्रशासन ने दी बड़ी जिम्मेदारी, अब दोनों प्रशासन के साथ लोगों को जागरूक करेंगी

शतरंज खिलाड़ी दो बहनें बनीं 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' की ब्रांड एंबेसडर

गर्व

गुरुग्राम | कार्यालय संवाददाता

शतरंज में दमखम दिखाने वाली दो बहनें अब जिले में सरकार के बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ अभियान को आगे बढ़ाने में भी प्रशासन का सहयोग करेंगी। तनिष्ठा कोटिया और रिद्धिका कोटिया को उपायुक्त निशांत यादव ने इस अभियान की ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है।

उपायुक्त ने दोनों बहनों को अपने कार्यालय बुलाकर यह जिम्मेदारी सौंपी है। दोनों खेल और पढ़ाई के लिए बेटियों को प्रेरित करेंगी।

चार साल की उम्र में जीती थी पहली चैस चैंपियनशिप

शतरंज की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तनिष्ठा कोटिया को बचपन से शतरंज का शौक लग गया था। चार साल की उम्र में ही पहली जिला अंडर-7 चैस चैंपियनशिप में जीत हासिल कर ली थी। इसके बाद से तनिष्का ने हर कदम पर शतरंज में बड़े-बड़े खिलाड़ियों को मात दी। अब तनिष्का प्रदेश की वुमन फिढे मास्टर चैस प्लेयर हैं। तनिष्का ने 2014 के कॉमनवेल्थ में देश को प्रतिनिधत्व करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया था। वह लगातार 12 साल से राज्य स्तरीय चैस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करती आ रही हैं।

तनिष्ठा और रिद्धिका को ब्रांड एंबेसडर घोषित करते उपायुक्त • हिन्दुस्तान

रिद्धिका कोटिया भी अपनी बहन से कम नहीं

तनिष्ठा की छोटी बहन रिद्धिका कोटिया भी शतरंज में बड़ों-बड़ों के पसीने छूटा देती हैं। कोविड के दौरान ऑनलाइन आयोजित की गई वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप में भी रिद्धिका ने भाग लिया था । इसमें रिद्धिका कोटिया को भारत की टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला था। शतरंज में भारत की टीम में खेलने वाली प्रदेश की वह एक मात्र खिलाड़ी थीं, जिन्होंने इसमें हिस्सा लिया था। इससे पहले 2016 में तजाकिस्तान में अंडर-16 मिक्स टीम इवेंट में मेडल हासिल किया था।

पिता के नेतृत्व में मिला आगे बढ़ने का हौसला

पिता अजीत कोटिया ने बताया कि तनिष्का और रिद्धिका को भारत सरकार की योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लिए जिला गुरुग्राम में ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया है। यह परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि दोनों बच्चे कड़ी मेहनत कर हमारे सपनों को साकार कर रहे हैं। तनिष्का ने बताया कि वह अपने पिता के नेतृत्व में यहां तक पहुंचने का हौंसला मिला है। जिला प्रशासन की तरफ से जो जिम्मेदारी सौंपी वह दोनों बहनें मिलकर निष्पक्ष भाव से आगे बढ़ाएंगी और लोगों को जागरूक करेंगी।